Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Tulsi Prajna 2008 04

Folder No.	024635
Granth Name	Tulsi Prajna 2008 04
Editor	Shanta Jain, Jagatram Bhattacharya
Publisher	Jain Vishwa Bharti - Ladnun
Edition	1
Year	2008
Pages	100

तुलसीप्रज्ञा २००८ ०४

फोल्डर नं.	०२४६३५
ग्रन्थ	तुलसीप्रज्ञा २००८ ०४
सम्पादक	शान्ता जैन, जगतराम भट्टाचार्य
प्रकाशक	जैन विश्व भारती – लाडनूँ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००८
पृष्ठ	१००

मुख्य टाईटल

Contents

English Section

Acaranga – Bhasyam – Acarya Mahaprajna ---------- 1

Anekantavada and Language – S R Banerjee ---------- 16

हिन्दी खण्ड

सृष्टिवाद का नया आयाम – आचार्य महाप्रज्ञ ---------- ४२

आचार्य भिक्षु का दर्शन अहिंसा के विशेष सन्दर्भ में – प्रो. दयानन्द भार्गव ---------- ५६

काव्यप्रकाश – संकेतकार आचार्य माणिक्यचन्द्र सूरि के स्वरचित उदाहरण – डॉ. विजयपाल शास्त्री ---------- ७४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org